महासभा के अध्यक्ष व पदाधिकारियों की

बंगाल, बिहार एवं भूटान की संगठन यात्रा

सिलीगुड़ी - नेपाल की संगठन यात्रा के पश्चात महासभा अध्यक्ष श्री हीरालाल मालू, उपाध्यक्ष श्री किशनलाल डागलिया एवं श्री विमल सुराणा, महामंत्री श्री विनोद कुमार चोरड़िया, सहमंत्री श्री बजरंग कुमार सेठिया, कार्यसमिति सदस्य श्री बाबूलाल जैन एवं श्री मांगीलाल बोथरा दिनांक 01.09.2012 को रात्रि 9 बजे सिलीगुड़ी पहुँचे। सर्वप्रथम साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी के दर्शन कर तेरापंथी सभा, सिलीगुड़ी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ तेरापंथ भवन में स्थानीय सभा के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक हुई जो रात के 11.30 तक चली। इस संगोष्ठी में जिसमें काफी संख्या में सभा के पदाधिकारीगण एवं कार्यसमिति सदस्यगण उपस्थित थे। सभा अध्यक्ष श्री नवरतन पारख एवं मंत्री श्री नरेन्द्र सिंघी ने सभा द्वारा संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी महासभा के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष प्रस्तुत की। विभिन्न विषयों पर सभा के कार्यसमिति सदस्यों की जिज्ञासाओं को महासभा के पदाधिकारियों द्वारा समाहित किया गया।

दिनांक 02.09.2012 को प्रातः 9.15 बजे साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी के सान्निध्य में आयोजित **उत्तर बंगाल वृहद श्रावक सम्मेलन** में अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में महासभा अध्यक्ष **श्री हीरालाल मालू** ने सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से समागत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैसे तो महासभा के पास अनेकों परियोजनाएं हैं परंतु वर्तमान में आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष परियोजना पर विशेष रूप से कार्य कर रहे हैं। यह शताब्दी वर्ष चार चरणों में आयोजित करके हम अपने विकास पुरुष को श्रद्धा समर्पित करेंगे। उन्होंने आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी समारोह की विशद जानकारी प्रदान की।

महासभा के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सहभागिता प्रभारी **श्री किशनलाल डागलिया** ने सहभागिता योजना की विशद जानकारी प्रदान करते हुए इस योजना में जुड़ाव हेतु उपस्थित प्रतिनिधियों से आह्वान किया। महासभा के उपाध्यक्ष **श्री विमल सुराणा** ने महासभा शताब्दी वर्ष पर अपने विचार व्यक्त किए।

महासभा के महामंत्री **श्री बिनोद कुमार चोरड़िया** ने इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों को महासभा की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया एवं इन प्रकल्पों से जुड़ने हेतु आह्वान किया।

सहमंत्री **श्री बजरंग कुमार सेठिया** ने महासभा द्वारा सभाओं के लिए निर्धारित संविधान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यसमिति सदस्य श्री बाबूलाल लुणावत, मांगीलाल बोथरा, राज्य प्रभारी श्री शुभकरण नौलखा, उत्तर बंगाल के सहभागिता प्रभारी श्री सुजानमल सेठिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस सम्मेलन में रायगंज, मालदा, दलखोला, रेंफू, इस्लामपुर, दार्जिलिंग, बागडोगरा, अलिपुरद्वार, कूचबिहार, दिनहटा, जयगांव, मैनागुड़ी, कलिम्पोंग, फालाकाटा, मांथाभांगा, चंगड़ाबांधा, तूफानगंज आदि क्षेत्रों के काफी प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

जिज्ञासा समाधान सत्र के अंतर्गत उपस्थित प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं को महासभा के अध्यक्ष श्री हीरालाल मालू ने समाहित किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महासभा के पदाधिकारियों का तेरापंथी सभा के पदाधिकारियों द्वारा मोमेंटो व साहित्य द्वारा सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त महिला मंडल एवं अणुव्रत समिति के पदाधिकारियों द्वारा भी सम्मान किया गया।

जयगांव - दिनांक 02.09.2012 को सायं 8 बजे महासभा के प्रतिनिधिमंडल जयगांव पहुँचे जहाँ स्थानीय तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल के सदस्यों के साथ एक संगोष्ठी हुई जिसमें महासभा के पदाधिकारियों को स्थानीय गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। उपस्थित प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए महासभा के पदाधिकारियों ने महासभा द्वारा संचालित आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष, आचार्य स्मारक स्थल, महासभा शताब्दी वर्ष, मेधावी छात्र प्रोत्साहन परियोजना, सहभागिता योजना, जैन भारती के संदर्भ में जानकारी प्रदान किया एवं इन प्रकल्पों से जुड़ने हेतु निवेदन किया। जयगांव में महासभा के पदाधिकारियों के पहुँचने से वहाँ के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल परिलक्षित हुआ।

अलीपुरद्वार - दिनांक 03.09.2012 को प्रातः 9.30 बजे महासभा के प्रतिनिधिमंडल अलीपुरद्वार सभा भवन पहुँचे जहाँ सभा के प्रतिनिधियों एवं स्थानीय श्रावक समाज के साथ एक बैठक हुई। सभा के अध्यक्ष श्री धर्मचंद बाफना एवं मंत्री श्री विनोद बांठिया ने महासभा के पदाधिकारियों को सभा की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। सभा प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं का समाधान महासभा अध्यक्ष द्वारा किया गया एवं उपस्थित प्रतिनिधियों को महासभा द्वारा संचालित परियोजनाओं के बारे में बताया गया।

दिनहटा - दिनांक 03.09.2012 को 12 बजे महासभा के पदाधिकारीगण दिनहटा पहुँचे। सर्वप्रथम दिनहटा में अग्निकांड से प्रभावित श्री मोहनलालजी छल्लाणी परिवार के यहाँ गये एवं वहाँ उस स्थान का निरीक्षण किया। तत्पश्चात सभी सभा भवन गये जहाँ दिनहटा का पूरा श्रावक समाज उपस्थित था। महासभा के पदाधिकारियों ने सभा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की एवं उन्हें महासभा द्वारा संचालित गतिविधियों से अवगत कराया।

दलखोला - दिनांक 03.09.2012 को रात 8.15 बजे महासभा के पदाधिकारीगण दलखोला स्टेशन पहुँचे जहाँ पर सभा के पदाधिकारियों के अतिरिक्त युवक परिषद, महिला मंडल के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। काफी संख्या में स्थानीय श्रावक भी उपस्थित थे। तत्पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महासभा के पदाधिकारियों द्वारा सभा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें महासभा द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गयी।

गुलाबबाग - नेपाल एवं बंगाल की संगठन यात्रा के पश्चात महासभा अध्यक्ष श्री हीरालाल मालू, उपाध्यक्ष श्री किशनलाल डागलिया एवं श्री विमल सुराणा, महामंत्री श्री विनोद कुमार चोरड़िया, सहमंत्री श्री बजरंग कुमार सेठिया, कार्यसमिति सदस्य श्री बाबूलाल जैन एवं श्री मांगीलाल बोथरा दिनांक 03.09.2012 को रात्रि 10.45 बजे गुलाबबाग पहुँचे।

दिनांक 04.09.12 को प्रातः 7.30 बजे सर्वप्रथम सभी पदाधिकारीगण स्व. विमलजी डागा को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु उनके घर पधारे।

9.30 बजे समणी निर्देशिका अक्षयप्रज्ञाजी के सान्निध्य में "**कैसे बनें श्रावक कार्यकर्ता**" विषय पर एक संगठन कार्यशाला का आयोजन गुलाबबाग तेरापंथी सभा द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में महासभा अध्यक्ष **श्री हीरालाल मालू** ने सम्मेलन में समागत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए महासभा की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना **आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी वर्ष** के संदर्भ में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

महासभा के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सहभागिता प्रभारी **श्री किशनलाल डागलिया** ने इस यात्रा के उद्देश्य एवं सहभागिता योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की। महासभा के उपाध्यक्ष **श्री विमल सुराणा** ने महासभा शताब्दी वर्ष के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये।

महासभा के महामंत्री **श्री बिनोद कुमार चोरड़िया** ने महासभा की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की एवं उपस्थित प्रतिनिधियों से यह आह्वान किया कि वे महासभा की इन गतिविधियों से जुड़कर अपना सहयोग प्रदान करें।

सहमंत्री **श्री बजरंग कुमार सेठिया** ने महासभा द्वारा सभाओं के लिए निर्धारित संविधान पर प्रकाश डाला। श्री शुभकरण नौलखा ने जय तुलसी फाउण्डेशन की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।